पाक से चीनी के सस्ते आयात पर बढ़ेगा शुल्क : इस्मा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आश्वासन दिया है कि अगर पड़ोसी देश पाकिस्तान से भारत में चीनी का सस्ता आयात होता है, तो वह आयात शुल्क को मौजूदा 50 फीसदी से बढ़ाने पर विचार करेगी। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

वैश्विक स्तर पर चीनी की कीमतों में भारी गिरावट के मद्देनजर, पाकिस्तान अपनी अधिशेष चीनी का निर्यात करने में सक्षम नहीं है और वह निर्यात को व्यवहार्य बनाने के लिए सब्सिडी देने पर विचार कर रहा है। इस्मा ने बयान में बताया कि अगर पाकिस्तान निर्यात को व्यवहार्य करता है या उसके द्वारा भारत में चीनी के

निर्यात को लेकर किसी ठेके की प्रक्रिया शुरू होती है, खासकर अगर सिंध राज्य द्वारा किसी तरह की सब्सिडी को अधिसूचित किया जाता है, तो भारत सरकार इस तरह के सस्ते आयात को रोकने के लिए आयात शुल्क में पर्याप्त बढ़ोतरी कर सकती है। बीते सप्ताह खाद्य मंत्रालय के अधिकारियों के साथ इस मुद्दे के साथ ही चीनी क्षेत्र से संबंधित अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। एजेंसी

चीनी निर्यात की गुंजाइश नहीं

भारत से चीनी के निर्यात पर इस्मा ने कहा कि बैठक में चर्चा हुई कि चीनी के निर्यात का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता, क्योंकि जारी चीनी सत्र के अंत में मात्र 40 लाख टन चीनी ही शेष बचेगी। इसलिए निर्यात शुल्क में कमी करने का कोई औचित्य नहीं बनता है। इस्मा ने भारत में 2017-18 चीनी सत्र में 251 लाख टन चीनी उत्पादन का आकलन किया है, जबकि इसके पीछे चीनी सत्र में 203 लाख टन चीनी उत्पादन हुआ था। शुगर एसोसिएशन ने कहा कि बैठक में सहमति बनी कि चीनी सत्र 2018-19 में चीनी उत्पादन के बारे में चर्चा करने का कोई औचित्य नहीं होगा।